

न्यायालय सहायक कलक्टर (मु०) सीकर  
पीठासीन अधिकारी :- कविता गोदारा, आर०ए०एस०

वाद पत्र सं :: 167/2024

जीसीएमएस सं० :: 2024/319

1. श्रीमती नाथी देवी पत्नि रूड़ाराम
2. मदन पुत्र रूड़ाराम
3. मूलचंद पुत्र रूड़ाराम
4. गोपाल पुत्र रूड़ाराम
5. मंजू पुत्री रूड़ाराम
6. शिमला पुत्री रूड़ाराम

समस्त जाति गुर्जर नि० ग्राम सांगरवा तहसील दांतारामगढ़ जिला सीकर राज०।

- वादीगण,

बनाम

1. श्रीमती गुलाबी देवी पत्नि खेताराम पिता जवाहरलाल।
  2. छितरमल पुत्र खेताराम।
  3. भंवरी देवी पुत्री खेताराम।
  4. मोहनी देवी पुत्री खेताराम।
- समस्त जाति गुर्जर नि० ग्राम सांगरवा तह० दांतारामगढ़ जिला सीकर राज०।
5. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार, भूमिधारी तहसील दांतारामगढ़, जिला सीकर।
  6. प्रबन्धक, पंजाब नेशनल बैंक शाखा रानोली तहसील दांतारामगढ़, जिला सीकर।

- प्रतिवादीगण

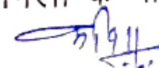
उपस्थित :- श्री भीमसिंह रुहेला, वकील वादीगण की ओर से।

दावा अंतर्गत धारा 88, 188 आर०टी०एक्ट व धारा 136  
एल आर एक्ट वास्ते उद्घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा एवं  
खाता दुरुस्ती।

निर्णय

दिनांक :: 08.09.25

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। वाद का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है कि ग्राम सांगरवा तहसील दांतारामगढ़ जिला सीकर की तन में भूमियां ख०नं० 262 रकबा 0.9200 है० ख०नं० 263 रकबा 0.3800 है० कुल किता 2 कुल रकबा 1.3000 है० अवस्थित है। जिसके पुराने ख०नं० 210 थे तथा वर्तमान खातेदारी लूणा पुत्र मंगला जाति गुर्जर के नाम से दर्ज है। ग्राम सांगरवा तहसील दांतारामगढ़, सीकर में एक अन्य जमाबंदी ख०नं० 259 रकबा 0.0500 है० ख०नं० 260 रकबा 0.0100 है० ख०नं० 261 रकबा 1.4000 है० कुल किता 3 कुल रकबा 1.4600 है० अवस्थित है, जिसमें वादीगण व प्रतिवादीगण की संयुक्त खातेदारी दर्ज है। वादीगण व प्रति०सं० 1 ता 4 का सजरा खानदान वाद के पैरा सं० 3 अनुसार है। वाद की मद सं० 1 में वर्णित भूमियों के पुराने ख०नं० 210 थे, जिसके नये ख०नं० 262 व 263 डाले गये। डूंगाराम की मृत्यु के बाद विरासत का नामान्तकरण मंगला के नाम

  
सहायक कलक्टर (मु०) सीकर

दर्ज हो गया, क्योंकि माना पहले नाऔलाद फौत हो गया था। मंगला की मृत्यु के बाद विरासत लूणा के नाम दर्ज हो गयी तथा लूणा पुत्र मंगला की खातेदारी भूमि माना की विधवा पारा देवी से सुरजाराम की शादी हो जाने के कारण उक्त भूमियां सुरजाराम व उसकी मृत्यु के बाद रूडाराम व खेताराम काबिज हो गये। वाद पत्र की मद सं० 2 में वर्णित भूमियों के बारे में कोई विवाद नहीं है। उक्त भूमियां प्रति०सं० 1 ता 4 के कब्जे काशत में है। हालांकि इन भूमियों में वादीगण का भी नाम दर्ज है। परन्तु प्रतिवादीगण जब भी चाहेगें वादीगण अपना नाम हजफ करवा लेगे। वाद पत्र की मद सं० 1 में वर्णित भूमियां ख०नं० 262, 263 ग्राम सांगरवा तह० दांतारामगढ़, सीकर लूणा पुत्र मंगला के नाम दर्ज है, जो गलत चली आ रही है। उक्त भूमियों पर कब्जा काशत एवं अधिकार पूर्ण तरीके से डूंगाराम के वारिसों की होने के कारण वादीगण को खातेदार उदघोषित किया जावे तथा लूणा पुत्र मंगला का नाम हजफ किया जाकर इस आशय की उदघोषणा की जावे। वादीगण ने वाद पत्र पेश कर वाद की मद सं० 14 की उप मद क,ख,ग अनुसार वादी डिक्री करने का निवेदन किया है।

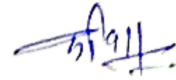
वाद-पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये समन तलब किये जाने पर प्रति०सं० 1 ता 6 बावजूद रजिस्टर्ड तामील के हाजिर नहीं आए इसलिए इनके विरुद्ध कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई गई।

वादी ने वाद के समर्थन में प्रमाणित प्रतिलिपि जमाबंदी ख०नं० 262, 263 वाके ग्राम सांगरवा, तह० दांतारामगढ़, सीकर की प्रति प्रदर्श-1 प्रमाणित प्रतिलिपि मिलान क्षेत्रफल प्रदर्श-2, नकल जमाबंदी भू प्रबन्ध विभाग, प्रदर्श-3, नकल नामान्तकरण प्रदर्श-4, नकल जमाबंदी संवत् 2027-30 प्रदर्श-5, नकल जमाबंदी संवत् 2019-22 प्रदर्श-6, नकल जमाबंदी संवत् 2076 से 2079 ख०नं० 259, 260, 261 प्रदर्श-7, जमाबंदी संवत् 2076 से 2079 ख०नं० 259, 260, 261 प्रदर्श-8 पेश किये। साक्ष्य में वादी ने स्वयं का शपथ-पत्र एवं शपथ-पत्र ताराचंद पुत्र शिवभगवान गुर्जर नि० ग्राम सांगरवा तह० दांतारामगढ़, सीकर एवं शपथ-पत्र गोपाल पुत्र रूडाराम गुर्जर नि० ग्राम सांगरवा तह० दांतारामगढ़, सीकर पेश किया।

बहस के दौरान वकील वादीगण द्वारा लिखित बहस पेश कर वाद पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए वाद वादीगण डिक्री करने निवेदन किया गया।

बहस वकील वादीगण सुनी गई। पत्रावली में उपलब्ध राजस्व रिकार्ड का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से जाहिर है कि वाद की मद सं० 1 में वर्णित भूमियों के पुराने ख०नं० 210 थे, जिसके नये ख०नं० 262 व 263 डाले गये, डूंगाराम की मृत्यु के बाद विरासत का नामान्तकरण मंगला के नाम दर्ज हो गया तथा मंगला की मृत्यु के बाद विरासत लूणा के नाम दर्ज हो गयी तथा लूणा पुत्र मंगला की खातेदारी भूमि माना की विधवा पारा देवी से सुरजाराम की शादी होने से उक्त भूमियों पर सुरजाराम व उसकी मृत्यु की बाद रूडाराम व खेताराम काबिज हो गये।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर बाद वादीगण डिक्री किया जाकर राजस्व ग्राम सांगरवा तहसील दांतारामगढ़ जिला सीकर की तन में भूमियां ख०नं० 262 रकबा 0.9200 है० ख०नं० 263 रकबा 0.3800 है० कुल किता 2 कुल रकबा 1.3000 है० भूमि का वादीगण एवं प्रतिवादी सं० 1 ता 4 को 1/2, 1/2 हिस्से का खातेदार, काश्तकार उद्घोषित किया जाकर तहसीलदार, दांतारामगढ़,सीकर को आदेशित किया जाता है कि उक्तानुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करावे। उपरोक्तानुसार पर्चा डिक्री जारी हो। पत्रावली फ़ैशल शुमार होकर नंबर से कम हो। बाद तकमील कागजात दाखिल दफतर हो। निर्णय आज दिनांक 08.09.2025 को सरे इजलास सुनाया गया।



(कविता गोदारा)

आर०ए०एस०

सहायक कलक्टर (मु०) सीकर